



वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

(उत्तराखण्ड सरकार द्वारा अधिनियम 415/2005 द्वारा स्थापित पूर्ववर्ती उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय)

VEER MADHO SINGH BHANDARI UTTARAKHAND TECHNICAL UNIVERSITY

(Formerly Uttarakhand Technical University Established by Act no.415/2005 by Uttarakhand Government)

Chakrata Road, P.O. Chandanwadi, Premnagar, Suddhowala, Dehradun, Uttarakhand (India)

Tel. No. 0135-2774067 Website: www.uktech.ac.in

पत्रांक: 2465 / विद्या परिषद् / 2026
सेवा में,

दिनांक 13 / 10 / 2026

- (1) प्रो० वी० के० बंगा, निदेशक, जी.बी.पी.आई.ई.टी. पौड़ी गढ़वाल।
- (2) डॉ० सुरेन्द्र सिंह गुसाई, प्राचार्य, साई कॉलेज ऑफ फार्मसी देहरादून।
- (3) डॉ० यशपाल सिंह नेगी, निदेशक, एस०आई०एच०एम०सी०टी० नई टिहरी उत्तराखण्ड।
- (4) डॉ० पी० के० ओमरे, नामिति कुलपति गो०ब०पंत कृषि विश्वविद्यालय पन्तनगर।
- (5) प्रो० संतोष कुमार हम्पन्नवर, निदेशक, बी०टी०के०आई०टी० द्वाराहाट।
- (6) प्रो० अमित अग्रवाल, निदेशक, आई०टी०गोपेश्वर।
- (7) प्रो० एच०एल० मंडोरिया, निदेशक, ए०के०आई०टी० टनकपुर।
- (8) प्रो० अजीत सिंह, प्रभारी निदेशक, नन्ही परी सीमान्त इंजी० संस्थान पिथौरागढ़।
- (9) प्रो० एच०एस० भदौरिया, प्रभारी निदेशक आई०टी० बौन उत्तराकाशी।
- (10) प्रो० शरद कुमार प्रधान, निदेशक, टी.एच.डी.सी.-आई.एच.ई.टी. टिहरी।
- (11) डॉ० संदीप कुमार गोयल, परीक्षा नियंत्रक वी०मा०सि०भ०उ०प्रौ०वि०वि० देहरादून।
- (12) डॉ० यूसरा अहमद, एफ०ओ०पी०, वी०मा०सि०भ०उ०प्रौ०वि०वि० देहरादून।
- (13) डॉ० विशाल रमोला, एफ०ओ०टी०, वी०मा०सि०भ०उ०प्रौ०वि०वि० देहरादून।

विषय: दिनांक 26 सितम्बर 2026 को आहूत विद्या परिषद् की 24वीं बैठक के कार्यवृत्त प्रेषण संबंधी।

महोदय/महोदया,

कृपया उपर्युक्त विषयक दिनांक 26 सितम्बर, 2026 को विश्वविद्यालय की 24वीं विद्या परिषद् की बैठक मा० कुलपति महोदया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। विद्या परिषद् की उक्त बैठक का कार्यवृत्त (विनिश्चय) आपके आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

संलग्नक-उपरोक्तानुसार

भवदीय,


(डॉ० राजेश उपाध्याय)
कुलसचिव

प्रतिलिपि:

- 1-निजी सचिव कुलपति को, मा० कुलपति महोदया के सादर सज्ञानार्थ।
- 2-वित्त नियंत्रक, वी.मा.सि.भ.उ.प्रौ.वि.वि. देहरादून।
- 3-प्रभारी परीक्षा नियंत्रक, वी.मा.सि.भ.उ.प्रौ.वि.वि. देहरादून।


(डॉ० राजेश उपाध्याय)
कुलसचिव

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून की "विद्या परिषद्" की दिनांक 26.09.2026 को सम्पन्न हुई 24वीं बैठक का कार्यवृत्त।

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून के विद्या परिषद की 24 वीं बैठक दिनांक 26 सितम्बर 2026 अपरान्ह 03:30 बजे विश्वविद्यालय के पंडित नारायण दत्त तिवारी कॉन्फ्रेंस हॉल में मा० कुलपति महोदया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें निम्नोक्त मा० सदस्यगण एवं अन्य आमंत्रित सदस्य उपस्थित रहे।

- | | |
|--|-----------------------|
| (1) डॉ० तृप्ता ठाकुर, मा० कुलपति, वी०एम०एस०बी०यू०टी०यू० देहरादून। | —अध्यक्ष |
| (2) प्रो० वी० के० बंगा, निदेशक, जी.बी.पी.आई.ई.टी. पौड़ी गढ़वाल। | —सदस्य |
| (3) डॉ० सुरेन्द्र सिंह गुसाई, प्राचार्य, साई कॉलेज फार्मसी देहरादून। | —सदस्य |
| (4) डॉ० यशपाल सिंह नेगी, निदेशक, एस०आई०एच०एम०सी०टी० नई टिहरी उत्तराखण्ड। | —सदस्य |
| (5) डॉ० पी० के० ओमरे, प्रतिनिधि कुलपति, जी.बी.पी.यू.ए.टी.पन्तनगर। | —सदस्य |
| (6) प्रो० संतोष कुमार हम्पन्नवर, निदेशक, बी०टी०के०आई०टी० द्वाराहाट। | —विशेष आमंत्रित सदस्य |
| (7) डॉ० अमित अग्रवाल, निदेशक, आई०टी० गोपेश्वर। | —विशेष आमंत्रित सदस्य |
| (8) डॉ० शरद कुमार प्रधान, निदेशक, टी.एच.डी.सी.—आई.एच.ई.टी. टिहरी। | —विशेष आमंत्रित सदस्य |
| (9) डॉ० अजीत सिंह, प्रभारी निदेशक, एन०पी०एस०आई०टी० पिथौरागढ़। | —विशेष आमंत्रित सदस्य |
| (10) डॉ० एच.एस. भदौरिया, प्रभारी निदेशक, आई०टी० बौन उत्तराकाशी। | —विशेष आमंत्रित सदस्य |
| (11) डॉ० एच.एल. मंडोरिया, निदेशक, ए०के०आई०टी० टनकपुर। | —विशेष आमंत्रित सदस्य |
| (12) डॉ० संदीप कुमार गोयल, परीक्षा नियंत्रक, बी०एम०एस०बी०यू०टी०यू० देहरादून। | —आमंत्रित सदस्य |
| (13) डॉ० यूसरा अहमद, एफ०ओ०पी० बी०एम०एस०बी०यू०टी०यू० देहरादून। | —आमंत्रित सदस्य |
| (14) डॉ० विशाल रमोला, एफ०ओ०टी० बी०एम०एस०बी०यू०टी०यू० देहरादून। | —आमंत्रित सदस्य |
| (15) डॉ० राजेश उपाध्याय, कुलसचिव, बी०एम०एस०बी०यू०टी०यू० देहरादून। | —पदेन सचिव |

सर्वप्रथम बैठक प्रारम्भ करने से पूर्व कुलसचिव द्वारा विद्या परिषद् के माननीय सदस्यों का स्वागत किया गया। कुलसचिव द्वारा मा० कुलपति महोदया का अभार व्यक्त करते हुए मा० सदस्यों के समक्ष एजेण्डा प्रस्तुत किया गया, जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

बिन्दु सं०-24.01

विद्या परिषद की 23वीं बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन।

विनिश्चय-

बैठक में सर्वसम्मति द्वारा विद्या परिषद की 23 वीं बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु सं०-24.02

विद्या परिषद की दिनांक 17 मार्च 2026 को सम्पन्न हुई 23वीं बैठक में लिये गये निर्णयों के संबंध में कृत कार्यवाही की सूचना।

विनिश्चय-

विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यों द्वारा विद्या परिषद की 23 वीं बैठक में लिये गये निर्णयों के सम्बन्ध में पूर्ण हो चुकी कार्यवाहियों हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु सं०-24.03-

वीर माधो सिंह भण्डारी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून की परीक्षा समिति की 43 वीं एवं 44 वीं बैठक में लिए गये निर्णयों का अनुमोदन।

विनिश्चय-

वीर माधो सिंह भण्डारी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून की परीक्षा समिति की 43 वीं एवं 44 वीं सम्पन्न हुई बैठकों जिसमें लिये गये निर्णयों का विवरण मा० विद्या परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उक्तानुसार विद्या परिषद द्वारा परीक्षा समिति की 43 वीं एवं 44 वीं बैठकों के कार्यवृत्त एवं लिये गये निर्णयों पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु सं०-24.04-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून द्वारा संचालित पी.एच.डी. कार्यक्रम में Revision of Thesis Submission Guidelines for English (Clause 13.1 of Ph.d ordinance July 2020) में संशोधन किये जाने का प्रस्ताव मा० विद्या परिषद के समक्ष अनुमोदनार्थ

विनिश्चय-

माननीय विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून द्वारा संचालित पी०एच०डी० कार्यक्रम में Revision of Thesis Submission Guidelines for English (Clause 13.1 of Ph.d ordinance July 2020) में संशोधन (जैसे कि पूर्व में मैनेजमेंट में भी हुआ है।) प्रस्तावित है:-

1. पी०एच०डी० ऑर्डिनेन्स 2020 के पृष्ठ सं० 19 के अनुसार,

(a) English हेतु:- For Ph.D in English the clause 13.1 of Ph.D ordinance 2020 specifying the requirement of thesis submission shall be amended in respect to journals, conference as under and read along with existing requirements in Ordinance.

- 1- Out of minimum 02 research paper publication requirements they should have at least 01 paper in SCI journal and other may be in Scopus Journal.
- 2- The students should have presented a paper in any international conference related to English.

Proposed Revise Criteria of Thesis Submission:

1. The students should have at least 02 research papers in Scopus Journal.
2. The students should have presented a paper in any International Conference, the proceedings must have an ISBN no. Scopus listed. He/She must produced the certificate of presentation of the research paper in the conference.

If any student does not have any proof of presentation of paper in conference as mentioned in point no. 2. He/She must have published one more unpaid Scopus indexed free journal papers.

उक्त प्रस्ताव माननीय विद्या परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया गया विस्तृत चर्चा उपरांत मा. परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु सं०-24.05-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून द्वारा संचालित पी.एच.डी. कार्यक्रम में Final Ph.D Thesis में लगे Certificate पृष्ठ पर हस्ताक्षरों के क्रम में संशोधन किये जाने का प्रस्ताव मा० विद्या परिषद के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून द्वारा संचालित पी०एच०डी० कार्यक्रम में Final Ph.D Thesis में लगे Certificate पृष्ठ पर हस्ताक्षरों के क्रम में संशोधन किये जाने का प्रस्ताव पूर्व से चली आ रही कार्यप्रणाली एवं वर्तमान में शोधार्थियों के Final Ph.D Thesis में लगे Certificate पृष्ठ पर हस्ताक्षर का क्रम जैसा कि Vice Chancellor, External Examiner, Internal Examiner (i), Internal Examiner (ii) है। Ph.D अनुभाग द्वारा इस हस्ताक्षर क्रम को परिवर्तित हेतु Internal Examiner (ii), Internal Examiner (i), External Examiner, Vice Chancellor किये जाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया चर्चा उपरांत माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु सं०-24.06-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून द्वारा संचालित पी.एच.डी. कार्यक्रम में अपनी पी०एच०डी० डिग्री पूर्ण कर चुके कुल 08 शोधार्थियों की विषयवार सूची संलग्न की गयी है उक्त सूचना मा० विद्या परिषद के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून द्वारा संचालित पी०एच०डी० कार्यक्रम में वर्ष 2026 में अपनी डिग्री पूर्ण कर चुके कुल 08 शोधार्थियों की विषयवार सूची प्रस्तुत की गयी जिस पर मा. विद्या परिषद द्वारा अनुमोदनार्थ प्रदान किया गया।

PHD DEGREE AWARDED FROM JULY 2026 TO SEPTEMBER 2026					
S.NO	NAME	Discipline	REGISTRATION DATE	DATE OF VIVA	ENROLLMENT NO.
1.	SHAILESH RANJAN KUMAR	Mechanical	21-02-2015	20-07-2026	150001004021
2.	ASHISH DHYANI	Management	02-09-2016	05-05-2026	160001015305
3.	SANDEEP GHANGAS	Pharmacy	12-09-2016	30-05-2026	160001016177
4.	SUDHIR KUMAR	Pharmacy	12-09-2016	12-06-2026	160001016180
5.	SHIVANI KALA	Pharmacy	31-10-2015	22-06-2026	150001016148
6.	AANCHAL GARG	ECE	04-09-2017	13-07-2026	170091002001
7.	ANOOPSHI JOHARI	ECE	07-12-2015	30-07-2026	150001002091
8.	AKHILESH SINGH	EE	06-09-2016	08-09-2026	160001002091

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून द्वारा संचालित पी.एच.डी. कार्यक्रम में पी.एच.डी. चयन हेतु साक्षात्कार प्रक्रिया हेतु सदस्यों की समिति में आंशिक संशोधन किये जाने का प्रस्ताव मा० विद्या परिषद के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून द्वारा संचालित पी.एच.डी. कार्यक्रम में पी.एच.डी. चयन हेतु साक्षात्कार प्रक्रिया हेतु सदस्यों की समिति में आंशिक संशोधन किये जाना है।

वर्तमान में नवीन पी०एच०डी० शोधार्थियों के चयन हेतु पी०एच०डी० लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने के पश्चात पी०एच०डी० के लिए होने वाले साक्षात्कार प्रक्रिया में UTU 2020 Ordinance के अनुसार निम्न समिति सदस्य उल्लेखित है:-

- (i) Vice Chancellor or his nominee-Chairman
- (ii) Dean of the concerned faculty
- (iii) Chairman Board of studies of the concerned branch
- (iv) One of the recognized supervisors from the concerned subject to be nominated by the Vice Chancellor.
- (v) One subject Expert, who should not be from UTU preferably out of state, and to be nominated by the Vice Chancellor.
- (vi) One HOD of UTU department not below Professor or any Senior Professor. In case no professor is available Associate Professor can be nominated by the Vice Chancellor.

उपरोक्त साक्षात्कार प्रक्रिया हेतु उक्त समिति सदस्यों के स्थान पर साक्षात्कार प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाने हेतु निम्नलिखित सदस्यों की समिति प्रस्तुत की गयी:-

- (i) Vice Chancellor or his nominee-Chairman
- (ii) Chairman Board of studies of the concerned branch
- (iii) One subject Expert, who should not be from UTU preferably out of state, and to be nominated by the Vice Chancellor.

उक्त प्रस्ताव का अवलोकन करते हुए चर्चा उपरांत माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।



बिन्दु सं०-24.08-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून द्वारा संचालित पी.एच.डी. कार्यक्रम में पी.एच.डी. चयन के पश्चात् शोधार्थियों द्वारा यू.टी.यू. आर्डिनंस 2020 के अनुसार कोर्स वर्क के अन्तर्गत Research Methodology में आंशिक संशोधन किये जाने का प्रस्ताव मा० विद्या परिषद के समक्ष अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय देहरादून द्वारा संचालित पी.एच.डी. कार्यक्रम में As per clause 7.5 of Ph.D ordinance 2020, the research scholar (Full Time/Part Time) has to complete 12 credits courses as per following tables-

S.N.	Course Title	Credits/Marks
1	Research Methodology conducted by Research Centre/UTU	4/100
2	State of the Art Seminar related to the field of Research or any course conducted by the Research Centre related to the work.	4/100
3	Course related to research work conducted by Research Centre or SWAYAM etc.	4/100
Total Credits		12/300

As per clause 7.6 , Course at S.No. 1 viz. Research Methodology shall be conducted either by the University or by a UTU recognized center with the permission of the University.

वर्तमान में उपरोक्त तालिका के क्रम संख्या -1 Research Methodology में संशोधन किये जाने हेतु निम्नवत् प्रस्तावित है:-

The research scholars (Full time/Part time) can complete the Research Methodology course of 04 credits course either from any of the research centre of VMSBUTU or Via SWAYAM/NPTEL/UTU recognized platform in online/offline mode subject to curriculum content & credit equivalency.

उपरोक्त प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा उपरांत माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।



बिन्दु सं0-24.09-

बिपिन त्रिपाठी कुमायू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वाराहाट को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु Working Professional संचालित किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। उक्त प्रकरण विद्या परिषद के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

बिपिन त्रिपाठी कुमायू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वाराहाट को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु विस्तारित करते हुए Working Professional हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया है:-

1- Programs /Courses for working Professional for the Academic year 2026-27 के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यक्रमों को स्वीकृति प्रदान की गयी है:-

1. B.Tech. Computer Science & Engineering (Approved Intake: 30)
2. B.Tech.Electrical Engineering (Approved Intake: 30)
3. B.Tech.Mechanical Engineering (Approved Intake: 30)

अतः उक्तानुसार बिपिन त्रिपाठी कुमायू प्रौद्योगिकी संस्थान में उक्त Working Professional पाठ्यक्रमों को संचालित करने की अनुमति प्रदान किये जाने हेतु मा0 विद्या परिषद् द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु सं0-24.10-

बिपिन त्रिपाठी कुमायू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वाराहाट में सत्र 2025-26 में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को समर सेशन की परीक्षा हेतु पंजीकरण की अनुमति दिये जाने हेतु विद्या परिषद के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

बिपिन त्रिपाठी कुमायू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वाराहाट में सत्र 2025-26 में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को समर सेशन की परीक्षा हेतु सत्र 2025-26 में आर्डिनेंस के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत सत्र 2025-26 के विषम या सम सेमेस्टर की परीक्षाओं में न्यूनतम उपस्थिति न होने के कारण अन्तरिम परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो पाये ऐसे छात्रों की प्रोन्नति क्रेडिट अंक अर्जित किये जाने हेतु विशेष परीक्षा में सम्मिलित करने हेतु समर सेमेस्टर में पंजीकरण की अनुमति प्रदान किये जाने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। इस पर विस्तृत चर्चा उपरांत माननीय विद्या परिषद द्वारा प्रस्ताव को अस्वीकार किया गया।



बिन्दु सं०-24.11-

बिपिन त्रिपाठी कुमायू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वाराहाट में संचालित एम०टैक० पाठ्यक्रम की एम०टैक० डिजरटेशन संस्थान स्तर पर कराये जाने के संबंध में अनुमति दिये जाने हेतु विद्या परिषद के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय—

बिपिन त्रिपाठी कुमायू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वाराहाट में संचालित एम०टैक० पाठ्यक्रम की एम०टैक० डिजरटेशन संस्थान स्तर पर कराये जाने के संबंध में प्रस्तावित है कि संस्थान के एम०टैक० छात्र-छात्राओं द्वारा अपनी Dissertation कार्य पूर्ण कर संस्थान के सम्बन्धित विभाग में Thesis जमा कर दी जाती है, जिसे संस्थान के परीक्षा अनुभाग द्वारा ससमय विश्वविद्यालय में उपलब्ध करा दी जाती है, परन्तु एम०टैक० Viva 06 माह तक नहीं करायी जाती है, जिससे छात्र-छात्राओं के करियर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

अतः विश्वविद्यालय के एम०टैक० आर्डिनेन्स 2022-23 से प्रभावी बिन्दु सं० 13.1 "Supervisor will submit at least three members expert list from relevant area with complete name & address and Head of Institution will designate one name outside the institute for evaluation of M.Tech dissertation and supervisor will evaluate independently" के अनुसार एम०टैक० डिजरटेशन संस्थान स्तर पर कराये जाने हेतु अनुमति प्रदान किये जाने के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया उक्त प्रस्ताव पर माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु सं०-24.12-

बिपिन त्रिपाठी कुमायू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वाराहाट के कतिपय छात्रों का यू०एम०एस० पोर्टल पर सत्र 2026-27 के ऐकेडमिक पंजीकरण कराये जाने के संबंध में प्रकरण माननीय विद्या परिषद के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

प्रस्ताव—

बिपिन त्रिपाठी कुमायू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वाराहाट के कतिपय छात्रों का पंजीकरण यू०एम०एस० पोर्टल पर सत्र 2026-27 हेतु अवगत कराया गया है कि सत्र 2025-26 के सम सेमेस्टर की परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम में देरी के कारण संस्थान के कुछ छात्रों द्वारा यू०एम०एस० पोर्टल पर सत्र 2026-27 के ऐकेडमिक पंजीकरण नहीं कर पाये अतः छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए यू०एम०एस० पोर्टल पर सत्र 2026-27 के ऐकेडमिक पंजीकरण किये जाने की अनुमति प्रदान किये जाने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया जिस पर माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु सं०-24.13-

गोविन्द बल्लभ पंत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी पौड़ी गढ़वाल शैक्षिक सत्र 2013-14 में बी०टेक० सिविल इंजी० पाठ्यक्रम में प्रवेशित छात्र शिक्षा शर्मा के पाठ्यक्रम पूर्णता के संदर्भ में प्रकरण विद्या परिषद के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय—

गोविन्द बल्लभ पंत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी पौड़ी गढ़वाल शैक्षिक सत्र 2013-14 में बी०टेक० सिविल इंजी० पाठ्यक्रम में प्रवेशित छात्र शिक्षा शर्मा के पाठ्यक्रम पूर्णता के संदर्भ में प्रकरण माननीय विद्या परिषद के समक्ष रखा गया जिसमें समयावधि समाप्त होने के कारण प्रकरण को माननीय विद्या परिषद द्वारा अस्वीकार कर दिया।

बिन्दु सं०-24.14-

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित BHMCT, MHMCT and Pharmacy पाठ्यक्रमों की ओर्डिनेन्स एवं नवीन पाठ्यचर्या NEP- 2020 की Guidelines के अनुसार तैयार कर से संबंधित BOS द्वारा जारी कार्यवृत्त व पाठ्यचर्या की स्वीकृति प्रदान किये जाने हेतु प्रस्ताव मा० विद्या परिषद् को सूचनार्थ एवं अनुमोदनार्थ।

विनिश्चय—

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित BHMCT, MHMCT and Pharmacy पाठ्यक्रमों की ओर्डिनेन्स एवं नवीन पाठ्यचर्या NEP- 2020 की Guidelines के अनुसार तैयार कर से संबंधित BOS द्वारा BHMCT, MHMCT एवं Pharmacy पाठ्यक्रमों में संशोधन के साथ ओर्डिनेन्स एवं पाठ्यचर्या निर्माण किये जाने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम निर्माण हेतु होटल मैनेजमेंट एवं फार्मेसी विधाओं की B.O.S. (Board of Studies) की बैठक दिनांक 29 जुलाई, 2026 को आयोजित की गई थी उक्त प्रकरण विद्या परिषद के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदनार्थ निम्नवत् प्रस्तुत:-

1- होटल मैनेजमेंट विधा के अन्तर्गत BHMCT/MHMCT पाठ्यक्रम में NEP- 2020 की Guidelines के अनुसार प्रभावी किये जाने दृष्टिगत नवीन पाठ्यचर्या एवं ओर्डिनेन्स निर्माण किये जाने हेतु होटल मैनेजमेंट विधा के BOS द्वारा BHMCT/MHMCT पाठ्यक्रम की नवीन पाठ्यचर्या निर्माण किया गया।

2- Pharmacy विधा के अन्तर्गत B.Pharma पाठ्यक्रम में NEP- 2020 की Guidelines के अनुसार प्रभावी किये जाने दृष्टिगत आवश्यक संशोधन करते हुए फार्मेसी विधा के BOS द्वारा Pharmacy पाठ्यक्रम की नवीन पाठ्यचर्या तथा ओर्डिनेन्स का निर्माण किया गया है।

उपरोक्त B.O.S. द्वारा जारी किये गये कार्यवृत्त तथा संशोधित व अनुमोदित आर्डिनेन्स तथा पाठ्यचर्या पर मा० विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।



बिन्दु सं०-24.15-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून एवं "इंडियन मिलिट्री एकेडमी, (IMA) देहरादून व अन्य के मध्य समझौता ज्ञापन (MoU) किये गये है। उक्त सूचना माननीय विद्या परिषद् के सूचनार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

प्रस्ताव-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा "इंडियन मिलिट्री एकेडमी, (IMA) देहरादून, Eduteach Education Services तथा Bharat Cares (SMEC Trust) के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) किये गये है। विद्या परिषद् के सदस्यों द्वारा अवगत होते हुए प्रस्तुत कार्यवाही पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु सं०-24.16-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून के परिसर संस्थान टी. एच.डी.सी.-आई.एच.ई.टी. टिहरी, नन्ही परी सीमान्त प्रौद्योगिकी संस्थान पिथौरागढ़, महिला प्रौद्योगिकी संस्थान देहरादून, एवं आई.टी. गोपेश्वर में B-Tech- Working Professionals कार्यक्रम प्रारंभ किये जाने की सूचना तथा इन पाठ्यक्रम हेतु संबंधित बी.ओ.एस. द्वारा पारित पाठ्यक्रम माननीय विद्या परिषद् के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय—

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून के परिसर संस्थान "टीएचडीसी इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोपावर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (THDC-IHET), टिहरी" में "मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग" में तथा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गोपेश्वर, महिला प्रौद्योगिकी संस्थान देहरादून एवं "नन्ही परी सीमांत प्रौद्योगिकी संस्थान, पिथौरागढ़" में "सिविल इंजीनियरिंग" में प्रत्येक में 30 सीट के साथ "B-Tech- Working Professional कार्यक्रम" प्रारंभ किए गए हैं।

उक्त कार्यक्रमों के संचालन/क्रियान्वयन हेतु "अध्यादेश (Ordinance), (अनुलग्नक-02), पाठ्यक्रम (Curriculum) एवं पाठ्यविवरण ("Syllabus" अनुलग्नक-03) तैयार किये जा चुके हैं। तथा इन्हें संबंधित "बोर्ड ऑफ स्टडीज (BoS) द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है (अनुलग्नक-04)। उक्त विषय "विद्या परिषद् के सदस्यों के विचारार्थ प्रस्तुत किया गया उक्त पर चर्चा उपरांत माननीय विद्या परिषद् द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा संचालित B.Tech. 8th सेमेस्टर (अंतिम वर्ष) के विद्यार्थियों हेतु ऑनलाइन पाठ्यक्रम/MOOCs के माध्यम से विषयों को पूर्ण करने के संबंध प्रस्ताव माननीय विद्या परिषद के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा संचालित B.Tech. अंतिम वर्ष 8th सेमेस्टर के विद्यार्थी, जो चतुर्थ वर्ष के दौरान "दीर्घावधि औद्योगिक इंटर्नशिप" कर रहे हैं अथवा कैपस प्लेसमेंट के माध्यम से प्राप्त "Early Joining Opportunity" का लाभ लेना चाहते हैं, उन्हें आठवें सेमेस्टर के विषयों को मान्यता प्राप्त प्लेटफॉर्म जैसे "SWAYAM, NPTEL, UTU MOOC" अथवा विश्वविद्यालय द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध अनुमोदित ऑनलाइन पाठ्यक्रमों/MOOCs के माध्यम से पूर्ण करने की अनुमति प्रदान की जा सकती है। उपरोक्त प्रावधान के क्रियान्वयन को सुगम बनाने हेतु वर्तमान "B.Tech. अध्यादेश के बिंदु 18 (a) एवं 18 (b)" में उपयुक्त संशोधन किया जाना आवश्यक है, जिसका विवरण (अनुलग्नक-10) के बिंदु संख्या 5" में उल्लिखित है। उक्त विषय "विद्या परिषद के सदस्यों के विचारार्थ प्रस्तुत किया गया जिस पर चर्चा उपरांत माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। (अनुलग्नक-10)

बिन्दु सं०-24.18-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा UTU MOOC/LMS प्लेटफॉर्म के विकास एवं क्रियान्वयन के संबंध में प्रस्ताव माननीय विद्या परिषद के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा यह प्रस्तावित है कि "UTU MOOC/LMS प्लेटफॉर्म" विकसित एवं क्रियान्वित किया जाए, जिसके माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण हेतु चयनित पाठ्यक्रमों के "रिकॉर्डेड व्याख्यान (Recorded Lectures) संबंधित ई-कंटेंट, असाइनमेंट, मूल्यांकन तथा अन्य शिक्षण-अधिगम संसाधनों को उपलब्ध कराया जा सके। प्रस्तावित व्यवस्था के अंतर्गत विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की उपयुक्तता एवं उपलब्धता के आधार पर SWAYAM/NPTEL अथवा UTU MOOC/LMS प्लेटफॉर्म" के माध्यम से उपलब्ध पाठ्यक्रमों में नामांकन करने की सुविधा प्रदान की जाएगी साथ ही ऐसे पाठ्यक्रमों के विकास एवं शिक्षण में सम्मिलित "विशेषज्ञों/फैकल्टी सदस्यों को देय मानदेय" से संबंधित विवरण (अनुलग्नक-11) के बिंदु संख्या 9(b)" में प्रस्तावित है। उक्त विषय "विद्या परिषद के सदस्यों के विचारार्थ प्रस्तुत किया गया जिस पर चर्चा उपरांत माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

(अनुलग्नक-11)

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा संचालित Artificial Intelligence & Machine Learning में Minor Degree के विस्तार किये जाने के संबंध में प्रस्ताव माननीय विद्या परिषद के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा संचालित "Artificial Intelligence -Machine Learning में "Minor Degree" करने की सुविधा सभी पात्र इंजीनियरिंग शाखाओं के विद्यार्थियों के लिए विस्तारित की जाए। वर्तमान पाठ्यक्रम के अनुसार उक्त Minor Degree करने का विकल्प वर्तमान में केवल निम्नलिखित इंजीनियरिंग शाखाओं के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है:-

1. जैव प्रौद्योगिकी (Biotechnology)
2. जैव-रासायनिक अभियांत्रिकी (Bio-Chemical Engineering)
3. रासायनिक अभियांत्रिकी (Chemical Engineering)
4. सिविल इंजीनियरिंग (Civil Engineering)
5. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (Electrical Engineering)
6. इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (Electrical -Electronics Engineering)
7. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग (Electronics-Communication Engineering)
8. मैकेनिकल इंजीनियरिंग (Mechanical Engineering)
9. प्रोडक्शन इंजीनियरिंग (Production Engineering)
10. मैनुफैक्चरिंग इंजीनियरिंग (Manufacturing Engineering)
11. पावर प्लांट इंजीनियरिंग (Power Plant Engineering)

उक्त Minor Degree को सभी इंजीनियरिंग शाखाओं के विद्यार्थियों के लिए विस्तारित किए जाने के प्रस्ताव पर माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु सं०-24.20-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा संचालित EEC-066: Advanced Mobile Technology तथा Signals and Systems under minor course communication System के पाठ्यक्रम के संबंध में प्रस्ताव माननीय विद्या परिषद के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून में संचालित वर्तमान पाठ्यक्रम में EEC-066: Advanced Mobile Technology नामक वैकल्पिक विषय (Elective Course) एवं Signals and Systems (Minor Course under Communication System) (अनुलग्नक-13) का पाठ्यक्रम (Syllabus) उपलब्ध नहीं था। अतः उक्त विषय का पाठ्यक्रम तैयार किया जा चुका है तत्पश्चात संबंधित "बोर्ड ऑफ स्टडीज (BoS)" द्वारा इसकी समीक्षा कर अनुमोदन प्रदान किया गया है। उक्त प्रस्ताव पर माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। (अनुलग्नक-12)

बिन्दु सं०-24.21-

"AI for All in Uttarakhand" पहल के अंतर्गत AI आधारित MOOCs को B.Tech. प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने के संबंध में प्रस्ताव माननीय विद्या परिषद के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

माननीय कुलाधिपति "(माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड)" के मार्गदर्शन में प्रारंभ की गई AI for All in Uttarakhand पहल के अंतर्गत "वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून" द्वारा IIT Madras एवं IITM Pravartak Technologies Foundation के सहयोग से SWAYAM Plus** प्लेटफॉर्म के माध्यम से AI आधारित MOOCs संचालित किए जा रहे हैं।

यह प्रस्तावित है कि निम्नलिखित "2-क्रेडिट पाठ्यक्रमों" को B.Tech. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाए:-

Semester	Group	MOOCs
1 st Semester	Chemistry Group	Prompt Engineering
	Physics Group	Cricket analytics using AI
2 nd Semester	Chemistry Group	Cricket analytics using AI
	Physics Group	Prompt Engineering

यदि उपरोक्त MOOCs में राजिस्ट्रेशन हेतु कोई शुल्क देय होता है तो उसको विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जायेगा। उक्त प्रस्ताव पर माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु सं0-24.22-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा संचालित BHMCT पाठ्यक्रम में NEP 2020 के द्वारा दिये गये प्रावधानों एवं विश्वविद्यालय आर्डिनेन्स में दी गयी व्यवस्था के अनुरूप 02 वर्ष एवं क्रेडिट पूर्ण करने के उपरांत Diploma in Hotel Management दिये जाने के संबंध में प्रस्ताव माननीय विद्या परिषद के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा संचालित BHMCT पाठ्यक्रम में NEP 2020 के द्वारा दिये गये प्रावधानों एवं विश्वविद्यालय आर्डिनेन्स में दी गयी व्यवस्था के अनुरूप 02 वर्ष एवं क्रेडिट पूर्ण करने के उपरांत Diploma in Hotel Management की अंकतालिका एवं उपाधि तैयार कर माननीय विद्या परिषद के समक्ष चर्चा हेतु प्रस्तुत गयी। उक्त विषय पर विस्तृत चर्चा उपरांत माननीय विद्या परिषद द्वारा उक्त प्रस्ताव को अस्वीकार किया गया तथा निर्णय लिया गया कि संबंधित बी.ओ.एस. Exit Policy तैयार कर कितने क्रेडिट पूर्ण करने के बाद छात्र-छात्राओं को Diploma दिया जा सकता है के संबंध में अपनी संस्तुति प्रस्तुत करेगी तत्पश्चात विद्या परिषद की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाए हेतु माननीय परिषद द्वारा आदेशित किया गया है।

बिन्दु सं0-24.23-

जगत सिंह बिष्ट राजकीय होटल मैनेजमेंट एवं कैटरिंग संस्थान अल्मोडा के छात्र श्री लोकेश सिंह बजेठा के BHMCT पाठ्यक्रम में समयावधि के अर्न्तगत परीक्षाफल घोषित एवं उपाधि निर्गत किये जाने हेतु परीक्षा समिति की संस्तुति के आधार पर प्रकरण माननीय विद्या परिषद के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

जगत सिंह बिष्ट राजकीय होटल मैनेजमेंट एवं कैटरिंग संस्थान अल्मोडा के छात्र श्री लोकेश सिंह बजेठा रोल.न. 170340400015 के BHMCT पाठ्यक्रम में समयावधि के अर्न्तगत परीक्षा परिणाम (चतुर्थ एवं षष्ठम सेमेस्टर का प्रमोशन परिणाम घोषित न होने कारण) उक्त छात्र को अंकतालिका एवं उपाधि निर्गत नहीं की जा सकी थी। उक्त प्रकरण पर विश्वविद्यालय द्वारा एक समिति का गठन किया गया। गठित समिति की संस्तुति के अनुसार एवं प्रकरण को परीक्षा समिति की 44वीं बैठक दिनांक 22-09-2026 की संस्तुति के आधार पर निर्णय माननीय विद्या परिषद समक्ष रखा गया। परीक्षा समिति की संस्तुति के क्रम में माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु सं०-24.24-

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित समस्त पाठ्यक्रमों हेतु निर्गत की जाने वाली Transcript का Format को माननीय विद्या परिषद के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित समस्त पाठ्यक्रमों हेतु निर्गत की जाने वाली Transcript का Format को तैयार कर प्रस्ताव माननीय विद्या परिषद के समक्ष चर्चा हेतु प्रस्तुत किया गया, माननीय विद्या परिषद द्वारा उक्त हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु सं०-24.25-

विश्वविद्यालय द्वारा न्यू ग्रेडिंग सिस्टम पी०जी० पाठ्यक्रम में लागू किये जाने हेतु प्रस्ताव माननीय विद्या परिषद के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय-

विश्वविद्यालय द्वारा न्यू ग्रेडिंग सिस्टम यू०जी० पाठ्यक्रम में लागू किये जाने हेतु पूर्व की विद्या परिषद में अनुमोदन प्रदान किया गया है। उक्त की भौति पी०जी० पाठ्यक्रम में भी न्यू ग्रेडिंग सिस्टम लागू किये जाने हेतु प्रस्ताव माननीय विद्या परिषद के समक्ष चर्चा हेतु प्रस्तुत किया गया। उक्त प्रकरण चर्चा हुई जिसमें माननीय विद्या परिषद द्वारा निर्णय लिया गया कि एक समिति गठित कर प्रकरण के संबंध में विश्वविद्यालय के अर्डिनेन्स एवं अन्य सभी नियम एवं पहलुओं को दृष्टिगत रखते हुए समिति रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। समिति में निम्न सदस्य होंगे:-

- | | |
|--|---------|
| 1- प्रो० वी० के० बंगा, निदेशक, जी.बी.पी.आई.ई.टी. पौड़ी गढ़वाल- | अध्यक्ष |
| 2- प्रो० संतोष कुमार हम्पन्नवर, निदेशक, बी०टी०के०आई०टी० द्वाराहाट। | सदस्य |
| 3-डॉ० एस०के० गोयल, परीक्षा नियंत्रक वी.एम.एस.बी.यू.टी.यू. | सदस्य |

बिन्दु संख्या- 24-26 -01

विश्वविद्यालय परिसर संस्थान, एफ०ओ०टी० एफ०फो०पी० एवं एफ०फो०एम० में संचालित हो रहे यू०जी० एवं पी०जी० पाठ्यक्रम में पाया गया है कि कुछ पाठ्यक्रमों में पिछले वर्षों से प्रवेश कम हो रहे हैं। अतः इन कार्यक्रमों की व्यवहार्यता के आधार पर आगामी अकादमिक सत्र 2027-28 में यदि यू०जी० पाठ्यक्रमों में 10 प्रवेश से कम एवं पी०जी० में 08 से कम होने की स्थिति में इन पाठ्यक्रमों को शून्य सत्र अथवा बन्द किये जाने पर विद्या परिषद के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय—

माननीय विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय परिसर संस्थान, एफ0ओ0टी0 एफ0फो0पी0 एवं एफ0फो0एम0 में संचालित हो रहे यू0जी0 एवं पी0जी0 पाठ्यक्रम में पाया गया है कि कुछ पाठ्यक्रमों में पिछले वर्षों से प्रवेश कम हो रहे हैं। अतः इन कार्यक्रमों की व्यवहार्यता के आधार पर आगामी अकादमिक सत्र 2027–28 में यदि यू0जी0 पाठ्यक्रमों में 10 प्रवेश से कम एवं पी0जी0 में 08 से कम होने की स्थिति में इन पाठ्यक्रमों को शून्य सत्र अथवा बन्द किये जाने पर विद्या परिषद के समक्ष चर्चा की गयी। उक्त प्रस्ताव पर चर्चा उपरांत माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

बिन्दु संख्या— 24–26 –02

विश्वविद्यालय के कुछ परिसर संस्थानों में इस वर्ष बी0टेक0 Working Professional प्रारम्भ किया गया है। उक्त सूचना माननीय विद्या परिषद के सूचनार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।

विनिश्चय—

माननीय विद्या परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय के कुछ परिसर संस्थानों में इस वर्ष बी0टेक0 Working Professional प्रारम्भ किया गया है जिसके लिए ए0आई0सी0टी0ई0 के निम्न अर्हता नियमों को अपनाया गया है:—

- (i) Professionals working in Registered Industry / Organization (Central / State) / Private/Public Limited Company/ MSMEs located within 50 KM radial distance from the Institute.
- (ii) Minimum of ONE Year Full time / Regular working Experience.
- (iii) Qualification same as candidates eligible for Lateral Entry to Second Year (As Specified in Approval Process Handbook published by AICTE from time to time):
 - Passed Minimum THREE years / TWO years (Lateral Entry) Diploma examination with at least 45% marks (40% marks in case of candidates belonging to reserved category) in ANY branch of Engineering and Technology.
 - OR

- Passed B.Sc. Degree from a recognized University as defined by UGC, with at least 45% marks (40% marks in case of candidates belonging to reserved category) and passed 10+2 examination with Mathematics as a subject.

OR

- Passed B.Voc/3-year D.Voc. Stream in the same or allied sector.

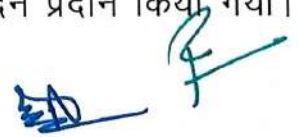
प्रवेश प्रक्रिया में ऐसे अभ्यार्थी भी सम्मिलित हुए जो किसी और विधा में बी०टेक० है एवं इस पाठ्यक्रम के माध्यम से किसी दूसरे विधा में बी०टेक० Working Professional में प्रवेश लेना चाहते हैं। उपरोक्त एआईसीटीई की अर्हता के अनुसार अभ्यार्थी को प्रवेश लेने के लिए किसी भी ब्रान्च में डिप्लोमा, बी.एस.सी. वी. वोक एवं डी.वोक होना चाहिए। क्यों कि बी०टेक० डिप्लोमा से उपर की उपाधि है अतः माननीय विद्या परिषद के समक्ष बी०टेक० Working Professional की अर्हता में किसी भी विधा में बी०टेक० को भी सम्मिलित करने हेतु चर्चा की गयी उक्त संबंध में माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है।

बिन्दु संख्या— 24–26 –03

विश्वविद्यालय के परिसर संस्थानों में कार्यरत नियमित शिक्षकों को भारत सरकार की QIP (Quality Improvement Programme) योजना के अंतर्गत 03 वर्ष हेतु P.h.d. के लिए अध्ययन अवकाश/प्रतिनियुक्ति पर भेजे जाने के संबंध में प्रस्ताव विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ।

विनिश्चय—

AICTE/ शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की QIP योजना के अंतर्गत नियमित शिक्षकों को शीर्ष राष्ट्रीय संस्थानों (IITs, NITs, आदि) से 03 वर्ष की अवधि हेतु Full -Time Ph.D करने का अवसर प्रदान किया जाता है। राज्य के अन्य तकनीकी संस्थानों में यह व्यवस्था पूर्व से ही लागू है। परिसर संस्थानों में शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध संवर्धन एवं NAAC/NBA मानकों को पूर्ण करने हेतु इस व्यवस्था को लागू किया जाना प्रस्तावित है, उक्त प्रस्ताव माननीय विद्या परिषद के समक्ष चर्चा हेतु प्रस्तुत किया गया जिस पर माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।



विश्वविद्यालय एवं आई0एम0ए0 देहरादून के साथ हुए एम0ओ0यू0 के विस्तारण से संबंधित बिन्दुओं पर माननीय विद्या परिषद के समक्ष चर्चा एवं अनुमोदन।

प्रस्ताव-

वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं आई.एम.ए. देहरादून के साथ हुए एम0ओ0यू0 में आई0एम0ए0 द्वारा निम्न बिन्दुओं पर विस्तारण किये जाने का अनुरोध किया गया है:-

Ser.No.	Points
2.1	Inclusion of Beneficiaries of the Collaboration to include serving Personnel, Veteran and their Wards.
2.2	Pan India Army applicability of MoU.
2.3	Earmarking certain seats.
2.4	Lateral absorption of Medically Boarded out cadets from Millitary Training Establishments.
2.5	Ph.D in Online/Hybrid mode for serving Indian Army personnel.
2.6	Accreditation of courses in Academic Bank of Credit.
2.7	Mutual Sharing of Resources/Facilities.

उपरोक्त बिन्दुओं पर विश्वविद्यालय के आर्डिनेन्स एवं रेगुलेशन में निहित प्रावधानों के अनुसार विस्तारण किये जाने की हेतु माननीय विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है।

अंत में मा0 अध्यक्ष/कुलपति महोदया, का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक का समापन किया गया।


(डॉ0 राजेश उपाध्याय)
कुलसचिव
सदस्य सचिव


(डॉ0 तृप्ता ठाकुर)
कुलपति
अध्यक्ष

**Recommendations of the Board of Studies (ME/CE/EE/ECE/CSE)
regarding the conduct of the B.Tech. eighth semester through online mode
for students undertaking long-duration industry internships or opting for
early joining for placement purposes during the fourth year**

(Strike out whichever is not applicable)

The Board of Studies of the B.Tech. programme in (ME/CE/EE/ECE/CSE) has thoroughly reviewed the recommendations of the UTU Internal Curriculum Revision Committee regarding the conduct of the B.Tech. eighth Semester (ME/CE/EE/ECE/CSE) through online mode for students who intend to undertake long-duration industry internships or opt for early joining for placement purposes during their fourth year. The proposed provisions are intended to be implemented from the Academic Year 2026-27.

The Board of Study (ME/CE/EE/ECE/CSE) hereby endorses the proposed recommendations and suggests that the same be placed before the forthcoming Academic Council of UTU for consideration and approval.

OR

The Board of Study (ME/CE/EE/ECE/CSE) has proposed modifications to the recommendations of the UTU Internal Curriculum Revision Committee and suggests that the revised recommendations be placed before the forthcoming Academic Council of UTU for consideration and approval.

SN	Name of the BoS Members	Signature
1.	Dr. Pradeep Kumar (Chairman)	P. Kumar
2.	Dr. K.K.S. Mer	
3.	Dr. Satyendra Singh	
4.	Dr. Chandra Prakash Saxena (Chandre Prakash Saxena)	
5.	Dr. Deepak Kumar	
6.	Dr. Nitin Kumar Baliyan	
7.	Dr. Pavan Kumar Pant	
8.	Dr. Gian Bhushan	
9.	Dr. Arvind Kumar	
10.	Dr. Rekha Dangwal	

Submitted for further processing.

Dean Academics, UTU

Recommendations of the Board of Studies (ME/CE/EE/ECE/CSE)
regarding the conduct of the B.Tech. eighth semester through online mode
for students undertaking long-duration industry internships or opting for
early joining for placement purposes during the fourth year
(Strike out whichever is not applicable)

The Board of Studies of the B.Tech. programme in (ME/CE/EE/ECE/CSE) has thoroughly reviewed the recommendations of the UTU Internal Curriculum Revision Committee regarding the conduct of the B.Tech. eighth Semester (ME/CE/EE/ECE/CSE) through online mode for students who intend to undertake long-duration industry internships or opt for early joining for placement purposes during their fourth year. The proposed provisions are intended to be implemented from the Academic Year 2026-27.

The Board of Study (ME/CE/EE/ECE/CSE) hereby endorses the proposed recommendations and suggests that the same be placed before the forthcoming Academic Council of UTU for consideration and approval.

OR

~~The Board of Study (ME/CE/EE/ECE/CSE) has proposed modifications to the recommendations of the UTU Internal Curriculum Revision Committee and suggests that the revised recommendations be placed before the forthcoming Academic Council of UTU for consideration and approval.~~

SN	Name of the BoS Members	Signature
1.	Dr. Pradeep Kumar (Chairman)	
2.	Dr. K.K.S. Mer	
3.	Dr. Satyendra Singh	
4.	Dr. Chandra Prakash Saxena (Chandre Prakash Saxena)	
5.	Dr. Deepak Kumar	
6.	Dr. Nitin Kumar Baliyan	
7.	Dr. Pavan Kumar Pant	
8.	Dr. Gian Bhushan	 21.09.2026
9.	Dr. Arvind Kumar	
10.	Dr. Rekha Dangwal	

Submitted for further processing.

Dean Academics, UTU

U.U Internal Revision Committee Observations and Recommendations for the Proposed B.Tech Working Professional Programme (AY 2026-27) in ME, CE and EE

The Chairpersons and Members of the University Internal Curriculum Revision Committees for the programmes in Mechanical Engineering (ME), Electrical Engineering (EE), and Civil Engineering (CE) have been entrusted with the responsibility of developing the Programme Structure, Curriculum, Remuneration Norms, and Ordinance for the proposed B.Tech Working Professional Programme for the Academic Year 2026-27.

After reviewing the Minutes of Meetings (MoMs) of the meetings conducted earlier regarding eligibility criteria and other relevant guidelines (attached), the respective committees have prepared the required documents for the proposed B.Tech Working Professional Programme (attached). The observations and recommendations of the committees are as follows:

1. The course curriculum and scheme for all courses under the proposed B.Tech Working Professional Programme in Mechanical Engineering (ME), Electrical Engineering (EE), and Civil Engineering (CE) shall remain the same as those prescribed for the Regular B.Tech Programme in the respective branches.
2. As per the applicable AICTE guidelines, 40% of the courses shall be offered through online mode using MOOC platforms/SWAYAM, while the remaining 60% of the courses shall be offered through offline mode during evening hours and/or prescribed by the institute.
3. The courses proposed to be offered through offline and online modes for B.Tech Working Professional programmes in ME, CE, and EE, along with the respective programme structures, are attached.
4. It is further proposed that, prior to the commencement of each semester, the availability of relevant courses on recognized MOOC platforms, including SWAYAM NPTEL and the proposed U.U. MOOC/MS platform, should be reviewed. Based on their availability, suitability, credit equivalence, and alignment with the prescribed University curriculum, appropriate courses may be identified for delivery through online mode. Accordingly, sufficient flexibility should be incorporated into the academic framework to permit courses to be selected and, where necessary, shifted between online (MOOC-based) and offline modes from one semester to another, while ensuring that the prescribed curriculum, credit requirements, and intended learning outcomes are duly maintained.



5. The committee has identified the following challenges in implementing the requirement of offering 40% of the courses through online mode using SWAYAM/NPTEL:

- Identification of SWAYAM/NPTEL courses having more than 80% curriculum mapping with the corresponding UTU courses is challenging. In certain technical and Humanities courses, the syllabus alignment was found to be relatively low, ranging from approximately 30% to 60%.
- The credits assigned to certain identified SWAYAM/NPTEL courses do not match the credits prescribed for the corresponding courses in the UTU curriculum.
- The academic cycles of SWAYAM/NPTEL courses may not coincide with the academic semesters of UTU. The commencement and completion dates of such courses may therefore not correspond to the semester in which the particular course is prescribed by the University.
- There is a possibility that a course currently available on an online platform may not be offered in subsequent academic years.

The above differences may create practical difficulties in directly adopting SWAYAM/NPTEL courses for all the courses identified for online delivery. In view of these challenges, the committee recommends the development and implementation of a parallel UTU MOOC/LMS platform, on which recorded lectures of the courses identified for online delivery, along with relevant e-content, assignments, and other learning resources, may be made available. This arrangement would provide the Programme and Course Coordinators with the flexibility to guide students to enroll in either SWAYAM/NPTEL or UTU MOOC/LMS, depending upon the suitability and availability of the course.

6. Existing HoD or Faculty nominated by the Director should be assigned to monitor the academic progress of students enrolled in online courses, including course participation, attendance, continuous evaluation, and performance. The designated faculty member shall also be responsible for awarding internal assessment marks in accordance with the applicable University regulations and assessment guidelines for SWAYAM/NPTEL and UTU MOOC/LMS courses.
7. It should be ensured that the common courses in all the proposed branches should be offered either in online or offline mode to maintain the uniformity.
8. A student may be permitted to enroll in a SWAYAM/NPTEL course where the curriculum mapping with the corresponding UTU course is more than 80%; the prescribed credits are equivalent; the course is offered during a period that is compatible with the relevant UTU academic semester; and the course otherwise meets the University's prescribed requirements. Where the above conditions are not satisfactorily met, particularly where syllabus alignment is relatively low, there is a discrepancy in the credit structure, or the

[Handwritten signatures and initials]

registration offer period does not coincide with the UTT academic schedule, the student may instead be permitted to enroll in the corresponding course through the UTT MOOC LMS platform, subject to the University's approval and prescribed academic framework.

For effective implementation of the above model, the committee further recommends the following manpower requirements and remuneration norms:

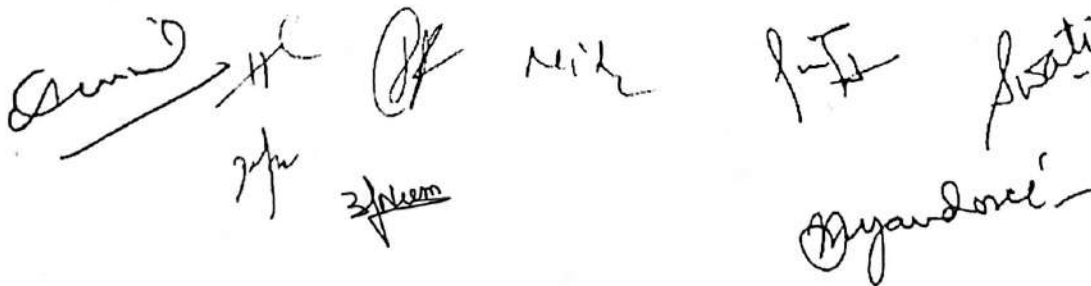
- a. Programme Coordinator: One Programme Coordinator for the B.Tech Working Professional Programme shall be appointed for each branch from the existing internal faculty. The Programme Coordinator shall be responsible for coordination with all stakeholders of the programme and shall act as the administrative and academic in-charge of the programme. The Programme Coordinator will ordinarily be the Head of the Department (HoD) of the concerned programme. However, where the HoD is not teaching any classes in the Working Professionals programme and, therefore, is unable to act as the Programme Coordinator, the Director may nominate any other suitable faculty member as the Programme Coordinator.
- b. Resource Person/Faculty: The Resource Person/Faculty (internal/external) shall deliver lectures as per the approved schedule and allotted hours for the respective course. The faculty member shall be responsible for course coordination, delivery of lectures, conduct of laboratory sessions, preparation of learning materials, monitoring of students' academic progress and attendance, continuous evaluation, checking of assignments, coordination of internal and end-semester examinations, maintenance of the course file, and maintenance of complete academic records. The faculty member shall also award internal assessment marks in accordance with the University regulations and applicable assessment guidelines for offline courses. The recommended remuneration shall be:
 - Rs. 5,000 per one-hour lecture, including recording and transfer of copyright, for Associate Professors and above from IITs, NITs, and Institutes of National Importance. (For a maximum of 35-40 lectures per semester.)
 - Rs. 3,500 per one-hour lecture, including recording and transfer of copyright, for Associate Professors and above from Central Universities, State Universities other than UTU, and State Engineering Institutes other than UTU Campus institutes. (For a maximum of 35-40 lectures per semester.)
 - Rs. 1,500 per one-hour lecture for faculty members of UTU Campus Institutes/ Government Institutes affiliated to UTU. (For a maximum of 35-40 lectures per semester.)

NOTE: A uniform format should be followed for all MOOC's lectures/videos. Faculty may use PDF-based teaching with voice-over and screen recording using a touch-enabled tablet. The annotated PDF may be shared as supplementary material. Faculty selection should be based on demo lectures to ensure the quality of teaching, as the content will be

[Handwritten signatures and initials]

accessible to a wider audience. A weekly 30-minute online session may also be organized for feedback and doubt clarification.

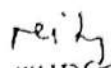
- c. UTU MOOC/SWAYAM/NPTEL Course Coordinator: shall be designated for monitoring the academic progress of students enrolled in online courses. The Coordinator shall be responsible for monitoring online attendance, course participation, continuous evaluation, and academic performance; maintaining academic records; and awarding internal assessment marks in accordance with the applicable UTU MOOC/SWAYAM/NPTEL regulations and assessment guidelines for online courses. Recommended remuneration: Rs 2,000 per month, for a maximum period of six months per semester.
 - d. Laboratory Staff: One Laboratory Staff member for each programme shall be responsible for conducting laboratory experiments, maintaining laboratory equipment/software, maintaining laboratory performance records, and providing necessary technical support. Recommended remuneration: Rs.300 per hour in a semester.
 - e. Supporting Staff: One Supporting Staff member for each program shall be responsible for opening and closing classrooms/laboratories and arranging other logistical and support requirements for the Programme Coordinator, Resource Person/Faculty, and Laboratory Staff during the conduct of evening classes. Recommended remuneration: Rs. 250 per evening in a semester when classes are conducted.
10. The end-semester examination may be conducted as a proctored examination at UTU designated examination centers, following the University's prescribed examination and evaluation procedures. For courses opted through SWAYAM/NPTEL, the credits/grades earned by students on successfully completing the proctored examination conducted by the National Testing Agency (NTA) or its recognized agency may be considered, subject to the applicable University regulations and approval of the competent authority.
11. The credits earned through the above online courses may be counted towards the prescribed credit requirements of the programme, in accordance with the approved scheme for the B.Tech Working Professional Programme and applicable statutory/regulatory provisions.
12. The recommended Programme Structures and Ordinance for the B.Tech Working Professional Programmes in Mechanical Engineering (ME), Civil Engineering (CE), and Electrical Engineering (EE) are attached for consideration and approval.

A collection of handwritten signatures in black ink, including names like 'Sumit', 'H', 'J', 'Nikhil', 'J-T', 'Sudati', '3/11/20', and 'Byandonei'.

The committee recommends that the above observations and recommendations may kindly be considered for further necessary action and approval for implementation of the proposed B.Tech Working Professional Programme from Academic Year 2026-27.

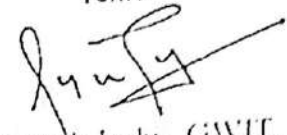

Himanshu, THDC-GHET,
Tehri


Deepak Kumar, GWIT
Dehradun


Nitin Gupta, THDC-GHET,
Tehri

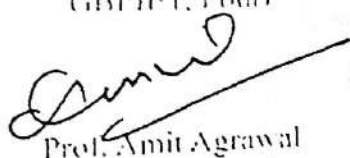

Neem Sagar, GBPHET, Pouri

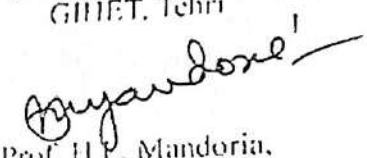

Dr. Swati Singh Rajput,
GWIT Dehradun


Dr. Aayush Joshi, GWIT,
Dehradun

Dr. Sarveesh Chandravanshi,
GBPHET, Pouri


Jyoti Prakash, THDC-
GHET, Tehri


Prof. Amit Agrawal
Director, GIT Gposhwar


Prof. H.E. Mandoria,
Director, GAKIT Tanakpur

Date: 16/09/2026

Subject: Approval of Syllabi for Open Elective and Minor Course Offered by the Department of Electronics and Communication Engineering

The following courses are already included in the University B.Tech curriculum under the Department of Electronics and Communication Engineering:

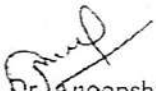
1. Open Elective: EEC-066-Advanced Mobile Technology (L:T:P = 3:0:0, Credits: 3)
2. Minor Course under Communication System: Signals and Systems (L:T:P = 3:1:2, Credits: 5)

As the detailed syllabi for the above-mentioned courses are currently not available, the Department of Electronics and Communication Engineering has prepared the same in accordance with the prescribed curriculum requirements.

The detailed syllabi are enclosed herewith for the kind review, consideration, and approval of the Internal Curriculum Revision Committee.

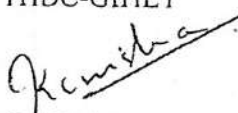
The Committee is, therefore, requested to kindly review the proposed syllabi and provide its valuable feedback and suggestions, if any, for further improvement and approval.

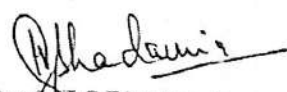
Submitted for your kind consideration and approval.


Dr. Anoopshi Johari
THDC-GIHET


Dr. Vishal Ramola
WIT, Dehradun


Mr. Mahesh Kumar Aghwariya
THDC-GIHET


Dr. K C Mishra
WIT, Dehradun


Prof. H S Bhadauria
Director GIT Baun

Dean Academic, VMSBUTU